RNI No/Title Code : UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

नवयुग समाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

वर्ष :4, अंक 224
बहराइच,बुधवार
10 दिसम्बर,2025
पृष्ठ–04,
मूल्य रू० 2 .00

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, म.प्र., बिहार में प्रसारित

माइक्रोसॉफ्ट करेगा 1.57 लाख करोड़ का बड़ा निवेश

भारत में बनेगा एआई हब, पीएम मोदी से मिले नडेला का ऐलान

आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। नडेला ने ट्वीट किया भारत के एआई अवसर पर प्रेरक बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, धन्यवाद।

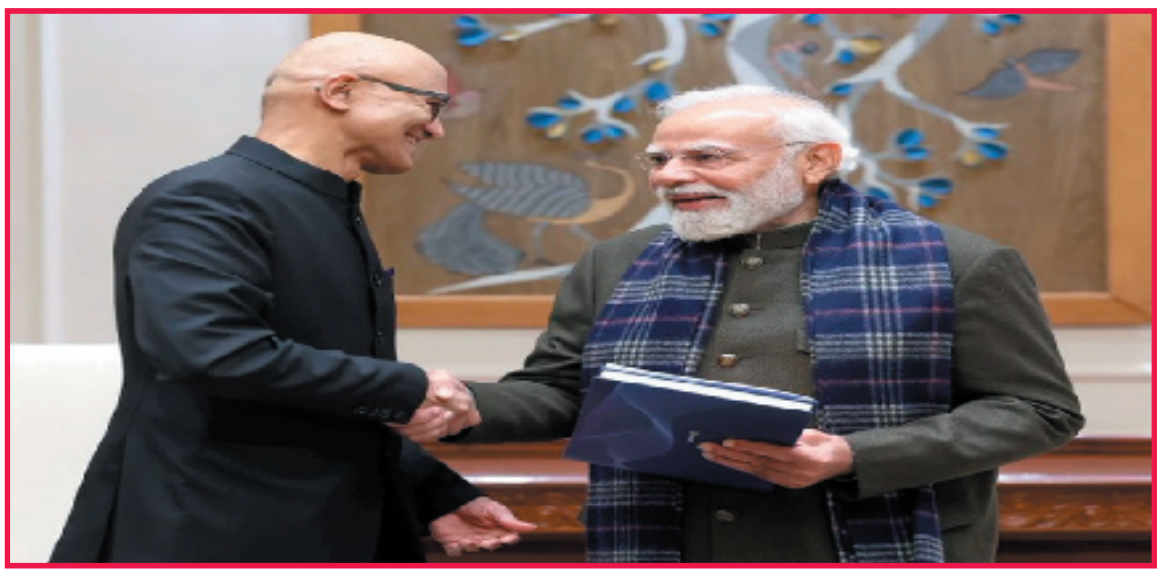

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। नडेला ने ट्वीट किया भारत के एआई अवसर पर प्रेरक बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, धन्यवाद। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने मंगलवार को घोषणा की कि वह भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास हेतु आवश्यक बुनियादी ढाँचे और कौशल निर्माण हेतु 17 .5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहे हैं, जो एशिया में कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। उन्होंने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। नडेला ने ट्वीट किया भारत के एआई अवसर पर प्रेरक बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, धन्यवाद। देश की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए, माइक्रोसॉफ्ट भारत के एआई–प्रधान भविष्य के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे, कौशल और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद के लिए एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा निवेश – 17 .5 बिलियन अमेरिकी डॉलर – करने की प्रतिबद्धता जता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ नडेला की यह मुलाकात इस साल की शुरूआत में उनके उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि कंपनी अगले दो वर्षों में भारत में क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किलिंग में 3 अरब डॉलर का निवेश करेगी, जिसमें नए डेटा सेंटर की स्थापना भी शामिल है। कंपनी अगले पाँच वर्षों में देश में 1 करोड़ लोगों को एआई कौशल प्रशिक्षित करने में भी मदद करेगी। अपने माइक्रोसॉफ्ट एआई टूर के बेंगलुरु चरण में नडेला ने कहा कि भारत एआई नवाचार में तेजी से अग्रणी बन रहा है और देश भर में नए अवसर पैदा कर रहा है। आज हम बुनियादी ढाँचे और कौशल विकास में जिस निवेश की घोषणा कर रहे हैं, वह भारत को एआई–प्रमुख बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि देश भर के लोगों और संगठनों को व्यापक रूप से लाभ मिले।

एस आई आर कार्य का उच्च शिक्षा मंत्री ने अवलोकन किया

शाहाबाद हरदोई। उत्तर प्रदेश स–रकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री और शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रजनी तिवारी ने मंगलवार को उधरनपुर मंडल में बूथ संख्या 27, 28, 29, 30 पर चल रहे विशेष गहण पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन किया और पार्टी कार्यकताओं को एस आई आर कार्य पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी मंगलवार को दोपहर 2:00 बजे उधरनपुर मंडल के बूथों पर पहुंची। यहां पर उन्होंने एस आई आर कार्य का अवलोकन करने के बाद

पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात की और कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यकताओं से कहा इस कार्य में अधिक से अधिक पात्र लोगों के फॉर्म जमा करवा कर उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल करवायें तथा यह भी देखें कि पात्र कोई छूटे न और अपात्र कोई भी वोट बन न सके। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र, जिला पंचायत सदस्य लालाराम अनुज राजपूत, विनय तिवारी आदि मौजूद रहे।

यूपी बना रहा स्किल्ड इंडिया की नई पहचान

युवाओं को हुनर, महिलाओं को नई उड़ान दे रही सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी आदित्यनाथ सरकार का विजन यूपी को ह्यस्किल्डह्ल बनाने की दिशा में सार्थक बदलाव की कहानी लिख रहा है। बदलते दौर की तकनीकों और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर लाखों युवाओं को रोजगार के योग्य बनाया जा रहा है। सरकार की नीतियों का असर यह है कि प्रदेश में लाखों युवाओं को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका है। प्रशिक्षण न सिर्फ युवाओं को नया भविष्य दे रही है, बल्कि प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी नई गति दे रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार की यह नीति रही है कि युवाओं को केवल डिग्री नहीं, बल्कि हुनर दिया जाए। इसी सोच के तहत ईवी मेंटेनेंस, सोलर टेक्नीशियन, रोबोटिक्स, सीएनसी ऑपरेशन और हॉस्पिटैलिटी जैसे नई पीढ़ी के कोर्स शुरू किए गए हैं। प्रदेश भर में सैंकड़ों प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण

दिया जा रहा है। इसका नतीजा यह है कि अब उद्योगों को बाहर से वर्कफोर्स बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि उन्हें यूपी में ही प्रशिक्षित युवा उपलब्ध हो रहे हैं। प्रदेश के वर्कफोर्स में महिलाओं का प्रतिशत पिछली सरकारों की अपेक्षा में काफी बढ़ा है, जो लगभग 36 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। वहीं, प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कैंडिडेट्स में भी महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साबित करता है कि सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर तक असर दिखा रही हैं। पहले जहां तकनीकी प्रशिक्षण को पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता था, वहीं आज महिलाएं भी सोलर टेक्नीशियन, रोबोटिक्स और सीएनसी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। स्वरोजगार के माध्यम से हजारों युवतियां अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बन रही हैं। ऐसा ही एक उदाहरण बेकार सामानों से कलाकृतियां तैयार करने वाली झांसी की नीलम सारंगी के स्टार्टअप ह्यबेकार के आकारह्ल का भी है, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने सम्मानित करने के साथ ही प्रोत्साहित भी किया है। वह झांसी नगर निगम के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत निष्प्रयोज्य सामानों से पार्कों में सुंदर कलाकृतियां तैयार करने का काम कर रही हैं। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने नीलम सारंगी को अनूठे स्टार्टअप को नवदेवी सम्मान भी दिया है। उनका स्टार्टअप इस समय बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर में पंजीकृत है। प्रदेश में नीलम जैसे कई उदाहरण हैं, जहां महिलाएं प्रदेश सरकार के सहयोग से अपने कौशल को निखारकर स्वरोजगार स्थापित कर रही हैं और न केवल प्रेरणा बन रही हैं बल्कि अन्य महिलाओं व लोगों के लिए रोजगार सृजन कर रही हैं। नीलम सारंगी के अनुसार, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके स्टार्टअप ह्यबेकार को आकारह्ल को प्रोत्साहित करने में जो मदद की, वह अनुकरणीय है और सार्थकता का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि उत्तर प्रदेश को देश का स्किल हब बनाया जाए। इसी दिशा में कौशल विकास की विभिन्न योजनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार दे रही हैं। प्रशिक्षित युवा न केवल खुद आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि उद्योगों को भी मजबूती दे रहे हैं। यह साबित करता है कि सही नीति, सही दिशा और मजबूत इच्छाशक्ति से किसी भी राज्य की तकदीर बदली जा सकती है।

उद्योग व होटल में अनिवार्य होगा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

हरदोई जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक मुख्य विकास अधिकारी छाबड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वाणिज्यिक, औद्योगिक, अवसंरचनात्मक तथा भूगर्भ जल से संबंधित आवेदनों की वेब पोर्टल के माध्यम से प्राप्त प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में संचालित सभी उद्योग, होटल एवं अन्य संस्थान जहां भी भूजल का दोहन किया जा रहा है, वहां रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। साथ ही भूजल संरक्षण से संबंधित अन्य प्रभावी उपाय भी सुनिश्चित किए जाएं ताकि भविष्य के लिए जल स्तर सुरक्षित रह सके। बैठक में भगर्भ जल विभाग के अधिशासी अभियंता सहित संबंधित विभागों के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत ने जीत के साथ किया सीरीज का आगाज

नई दिल्ली। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की तूफानी फिफ्टी (59*) के बाद भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के चलते टीम इंडिया ने कटक में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में साउथ अफ्र–ीका को 101 रन से हराया। पहले बल?लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे।

ओस को देखते हुए लग रहा था कि भारतीय टीम 15–20 रन पीछे रह गई। जवाब में प्रोटियाज टीम 12 .3 ओवर में 74 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका का टी20 में यह लोएस?ट टोटल है। इस जीत के साथ ही भारत ने 5 मैचों की टी20 सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है। मुकाबले की बात करें

तो टॉस हारकर पहले बल?लेबाजी करने उतरी भातरीय टीम की शुरूआत खराब रही। चोट के बाद वापसी कर रहे उपकप्?तान शुभमन गिल पहले ही ओवर में पवेलियन लौट गए। लुंगी एनगिडी की गेंद पर मार्को यानसेन ने गिल का कैच लिया। गिल ने 1 चौके की बदौलत 2 गेंदों पर 4 रन बनाए। 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान सूर्यकुमार यादव भी ज?यादा देर मैदान पर नहीं टिके और बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में शुभमन गिल की तरह ही कैच आउट हुए। स्काई ने 11 गेंदों पर 12 रन की पारी खेली। 2 विकेट जल?दी गिरने के बाद अभिषेक शर्मा पर दबाव बढ़ रहा था। ऐसे में उन?होंने हवाई फायर का मन बनाया। हालांकि, मार्को यानसेन के हाथों में उनकी पारी का अंत हुआ। युवा अभिषेक ने 12 गेंदों का सामना किया और 17 रन जड़े। अब तक संभलकर बल?लेबाजी करने वाले तिलक ने 32 गेंदों पर 26 रन की धीमी पा–री खेली। 5 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर ने 1 छक्के की बदौलत 21 गेंदों पर 23 रन बनाए। उन?होंने हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर 14 गेंदों पर 26 रन की पार्टनरशिप की। अक्षर के आउट होने के बाद मैदान पर आए शिवम दुबे 9 गेंदों पर 11 रन ही बना सके। उन?होंने हार्दिक के साथ 19 गेंदों पर 33 रन जोड़े। हार्दिक पांड्या 28 गेंदों पर 59 रन जड़कर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक?के लगाए। इसके साथ ही हार्दिक के टी20 इंटरनेशनल में 100 छक?के भी पूरे हो गए हैं। विकेटकीपर जितेश शर्मा 5 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे। 176 रन चेज करने उतरी साउथ अफ्रीका टीम पर भारतीय गेंदबाजों ने पहली ही ओवर से लगाम लगा दी। पहली ही ओवर की दूसरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने क्विंटन डी कॉक को स्लिप पर तैनात अभिषेक शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। प्रोटियाज सलामी बल?लेबाज का खाता तक नहीं खुला। पारी का तीसरा ओवर करने आए अर्शदीप सिंह ने इस बार ट्रिस्टन स्टब्स को विकेटकीपर जितेश शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। ट्रिस्टन ने 9 गेंदों पर 14 रन बनाए।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई उद्योग बंधु की बैठक

महोबा। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से कबरई से महोबा के बीच एनएचएआइ के रोड की खराब स्थिति, जनपद के खनिजों के अवैध परिवहन, कस्बा कबरई में पेयजल की आपूर्ति तथा खनिज न्यास निधि से कराए गए कार्यों की गुणवत्ता ठीक न होने के संबंध में प्रकरण प्रस्तुत किए गए। जिसमें जिलाधिकारी गजल भारद्वाज द्वारा एनएएचआइ के उपस्थित अधिकारी, वरिष्ठ खान अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता जल निगम नगरीय को कार्य समय से कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मकरबई के रेलवे अंडरपास के आगे 70 मी. का कार्य खनिज न्यास निधि से स्वीकृत होने के बावजूद प्रारंभ न होने का प्रकरण भी जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा वरिष्ठ खान अधिकारी को तत्काल कार्यवाही करते हुए फोटोग्राफ सहित प्रगति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए । इसके साथ ही जिलाधिकारी व समिति को जनपद में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र पहरा व खन्ना के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा प्राइवेट औद्योगिक क्षेत्र बनाए जाने से संबंधित प्लेज योजना के संबंध में भी समिति को अवगत कराया गया।

सम्पादकीय....

2 मुस्लिम देशों में महायुद्ध की आहट!

दुनिया में एक साथ खड़े दिखाई देते थे। जिनकी दोस्ती इन्हें खाड़ी में मजबूत बनाती लेकिन अब इन दो दोस्त मुल्कों के बीच खटास पैदा हो गई है जो खाड़ी के पावर बैलेंस को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में आखिरकार पक्के दोस्त समझे जाने वाले यूएई और सऊदी किस मुद्दे पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए। रूस और यूक्रेन के मोर्चे पर अभी बारूद की बारिश थमी नहीं है। लगभग 4 साल से दोनों मुल्क जंग के मैदान में हैं। इसी बीच अब दो मुस्लिम देशों में ठनती दिख रही है। मैदान यमन का है लेकिन भिड़ रहे हैं यूएई और सऊदी अरब। सऊदी अरब और यूएई को अरब जगत में सबसे करीबी सहयोगी माना जाता था। जो अक्सर सभी विवादों को लेकर लगभग एक जैसी राय ही रखते थे। दुनिया में एक साथ खड़े दिखाई देते थे। जिनकी दोस्ती इन्हें खाड़ी में मजबूत बनाती लेकिन अब इन दो दोस्त मुल्कों के बीच खटास पैदा हो गई है जो खाड़ी के पावर बैलेंस को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में आखिरकार पक्के दोस्त समझे जाने वाले यूएई और सऊदी किस मुद्दे पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए। दोनों के बीच का तनाव क्यों युद्ध में तब्दील हो सकता है। आखिर क्यों और किस बात को लेकर दोनों मुस्लिम देश बाही चढ़ाए हुए हैं। ऐसा क्या हो गया कि बारूद बरसाने की नौबत आती दिख रही है? यमन को लेकर सऊदी अरब यूएई के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। यूएई समर्थित सेना का दावा है कि दक्षिण यमन पर अब पूरी तरह से उसका कब्जा हो चुका है। इस दावे के बाद कयास लग रहे हैं कि जल्द ही अब एक नए देश का ऐलान हो सकता है। 1960 के बाद पहली बार यमन दो देशों में बढ़ सकता है। पिछले यूएई समर्थित सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल यानी एसटीसी के करीब 10,000 सैनिक तेल के भंडार वाले क्षेत्र हद्रा मौत गवर्नरेट में और बाद में ओमान की सीमा से लगे कम आबादी वाले माराह गवर्नरेट में घुस गए जो पहले उनके एक नियंत्रण में नहीं था। ऐसा पहली बार हुआ है जब एसटीसी ने दक्षिण यमन के उन सभी आठ गवर्नरेट्स पर कब्जे का दावा किया है जो 1960 के दशक में स्वतंत्र दक्षिण यमन का हिस्सा थे। इस घटना के बाद पूरी संभावना है कि बहुत जल्द दक्षिण यमन आजादी का ऐलान कर दे जो सऊदी अरब के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। जबकि यूएई के लिए बहुत बड़ी डिप्लोमेटिक जीत। दक्षिणी यमन को एक अलग देश बनाना चाहता है यूएई सऊदी अरब के लिए यह घटना पैरों तले जमीन खिसकने जैसी है। सऊदी अरब ने अब दक्षिणी राजधानी अदन में प्रेसिडेंशियल पैलेस और एयरपोर्ट से भी अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब का दक्षिणी यमन में अपनी सेना को बुलाने का मतलब यह हुआ कि सऊदी ने यूएन से मान्यता प्राप्त यमन सरकार के अंदर जिन सेनाओं का समर्थन किया था, उन्हें कम से कम अब दक्षिणी यमन से खदेड़ दिया गया है। यूएई दक्षिणी यमन के सबसे मजबूत गुट एसटीसी का समर्थन करके दक्षिणी यमन को एक अलग देश बनाना चाहता है। इसलिए अब सऊदी अरब की बख्तरबंद सेना जिसमें टैंक और बख्तरबंद सैन्य वाहन शामिल हैं। यमन में दाखिल हो गई हैं। जिसके वीडियो भी सामने आए। सऊदी ने यह सेना यूएई समर्थित लड़ाकों और सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल यानी एसटीसी की तेजी से कब्जा अभियान को रोकने के लिए भेजी है।

सांसदों को पार्टी व्हिप से आजादी क्यों दिलवाना चाहते हैं मनीष तिवारी?

मनीष तिवारी के इस विधेयक को समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि वह स्वयं किस प्रकार की राजनीतिक भूमिका निभाते रहे हैं। हम आपको बता दें कि वह कांग्रेस पार्टी के उन नेताओं में रहे हैं जिन्होंने समय-समय पर आधिकारिक रुख से हटकर अपनी स्वतंत्र राय व्यक्त की है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने संसद में ऐसा गैर-सरकारी विधेयक पेश किया है जो भारतीय संसदीय लोकतंत्र की बहस को नई दिशा दे सकता है। हम आपको बता दें कि यह विधेयक सांसदों को पार्टी व्हिप के कठोर बंधन से मुक्त कर, उन्हें अधिकांश विधेयकों और प्रस्तावों पर स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति देने का प्रावधान करता है। मनीष तिवारी का प्रस्ताव है कि विश्वास और अविश्वास प्रस्ताव, वित्त विधेयक और सरकार की स्थिरता से जुड़े मुद्दों को छोड़कर बाकी सभी विषयों पर सांसदों को अपने विवेक, अपने निर्वाचन क्षेत्र की प्राथमिकताओं और सामान्य समझ के आधार पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता हो। मनीष तिवारी का तर्क है कि आज की संसदीय प्रक्रिया में सांसद अक्सर अपनी पार्टी की आधिकारिक लाइन के दबाव में मतदान करने को मजबूर होते हैं, चाहे उनके निर्वाचन क्षेत्र की जनता का हित इससे मेल खाता हो या नहीं। उनके शब्दों में, पार्टी व्हिप के चलते प्रतिनिधि का कोई महत्व नहीं रह जाता, उसे सोचने और कार्य करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। हम आपको बता दें कि मनीष तिवारी बार-बार यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि क्या लोकतंत्र में प्राथमिकता उस मतदाता की होनी चाहिए जो नेताओं को चुनने के लिए घंटों धूप में खड़ा होता है, या उस राजनीतिक दल की जिसके निदेर्शों का पालन करने को सांसद बाध्य हो जाते हैं? देखा जाये तो मनीष तिवारी का यह विधेयक नया नहीं है, उन्होंने 2010 और 2021 में भी इसी प्रकार का प्रस्ताव रखा था। लेकिन समय बदलने के साथ इसका महत्व और बढ़ गया है। हम आपको बता दें कि भारत की संसद में व्हिप की व्यवस्था मूलतः दल-बदल रोकने और सरकार की स्थिरता बनाए रखने के लिए बनी थी, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि यह व्यवस्था सांसदों को मात्र संख्या बल का हिस्सा बना देने का साधन है। ऐसे में मनीष तिवारी का प्रस्ताव संसदीय गरिमा और स्वतंत्र विचार की पुनर्स्थापना की मांग करता है। हम आपको बता दें कि इस विधेयक में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सांसद की सदस्यता केवल उन्हीं मामलों में समाप्त होनी चाहिए जहां सरकार के अस्तित्व या वित्तीय मसलों पर पार्टी लाइन से विचलन हो। बाकी मामलों में स्वतंत्र मतदान से लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी, क्योंकि कानून-निर्माण तभी गुणवत्तापूर्ण हो सकता है जब सांसद अपने व्यक्तिगत और क्षेत्रीय अनुभवों के आधार पर विचार रख सकें। मनीष तिवारी ने 10वीं अनुसूची में संशोधन की जरूरत पर भी जोर दिया है, ताकि यह आज के राजनीतिक संदर्भ में अधिक प्रासंगिक बन सके। उनका सुझाव है कि 10वीं अनुसूची से जुड़े मामलों की सुनवाई एक न्यायिक अधिकरण करे और अपील की प्रक्रिया स्पष्ट समयसीमा के भीतर पूरी हो। दूसरी ओर, मनीष तिवारी के इस विधेयक को समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि वह स्वयं किस प्रकार की राजनीतिक भूमिका निभाते रहे हैं। हम आपको बता दें कि वह कांग्रेस पार्टी के उन नेताओं में रहे हैं जिन्होंने समय-समय पर आधिकारिक रुख से हटकर अपनी स्वतंत्र राय व्यक्त की है। उदाहरण के लिए अग्निपथ योजना के प्रति कांग्रेस का आधिकारिक रुख आलोचनात्मक रहा, मगर मनीष तिवारी ने सार्वजनिक रूप से उसकी तारीफ की थी और उसे एक सुधारवादी कदम बताया था। यह साहस किसी भी बड़े दल में असहमति के सीमित दायरे को देखते हुए उल्लेखनीय है। इसी प्रकार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद मनीष तिवारी उस सरकारी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने जो विदेश गया था। विपक्षी दल के सांसद का ऐसी आधिकारिक भूमिका में शामिल होना दशार्ता है कि मनीष तिवारी न केवल एक धारा के भीतर चलने वाले नेता हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर भी एक स्वतंत्र व्यावहारिक दृष्टिकोण रखते हैं। साथ ही, मनीष तिवारी कांग्रेस के जी-23 समूह का हिस्सा रहे हैं। यह वह समूह था जिसने कांग्रेस नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया, संगठनात्मक चुनावों और आंतरिक लोकतंत्र पर गंभीर सवाल उठाए थे। जी-23 का गठन ही इस बात का संकेत था कि कांग्रेस जैसे बड़े दल में भी कई वरिष्ठ नेता अधिक पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया की मांग कर रहे थे। इस परिप्रेक्ष्य में मनीष तिवारी का विधेयक केवल तकनीकी संशोधन का मामला नहीं है; यह भारतीय राजनीति में एक व्यापक सिद्धांत यानि सांसद का विवेक बनाम पार्टी अनुशासन, पर बहस का निमंत्रण है। सवाल उठता है कि यदि सांसद जनता की ओर से चुने जाते हैं, तो उन्हें हर मुद्दे पर कठोर पार्टी लाइन के अनुरूप मतदान क्यों करना चाहिए? बहरहाल, आज जब राजनीतिक दलों में नेतृत्व केंद्रीकरण बढ़ रहा है और संसदीय बहस कई बार औपचारिकता भर रह जाती है, ऐसे में मनीष तिवारी का प्रस्ताव एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। यह संसद को फिर से विचार, विमर्श और स्वतंत्र राय का मंच बनाने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। आगे यह विधेयक पास हो या न हो, पर यह बहस अवश्य शुरू करता है कि लोकतंत्र किसके लिए है, दलों के लिए या जनता और उनके प्रतिनिधियों के लिए? वैसे यह उल्लेखनीय है कि लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों को उन विषयों पर विधेयक पेश करने की अनुमति है, जिन पर उन्हें लगता है कि सरकार को कानून लाना चाहिए।

आखिर कहाँ जाएँ बांग्लादेशी हिंदू?

शेख हसीना को हटाने के बाद से बांग्लादेश में जो माहौल बना है, उसने अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर हिंदुओं के जीवन को दहशत में बदल दिया है। मंदिर जलाने, हिंदुओं के घरों पर हमले, परिवारों का रातों-रात पलायन और अब स्वतंत्रता सेनानियों की हत्या जैसे मामलों ने दुनिया को झकझोर दिया है। बांग्लादेश के रांगपुर में 1971 के मुक्ति संग्राम के वीर योद्धा जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी सुबर्णा रॉय की गला रेतकर हत्या ने जनमानस के मन-मस्तिष्क को झकझोर दिया है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह केवल एक सनसनीखेज आपराधिक घटना है या फिर यह उस गहरी बीमारी का लक्षण है जिसने बांग्लादेश की आत्मा को भीतर तक खोखला कर दिया है? 75 वर्ष के एक स्वतंत्रता सेनानी की इस तरह घर में बेरहमी से हत्या होना किसी भी समाज के लिए शर्म की बात है, लेकिन बांग्लादेश के संदर्भ में यह घटना और भी भयावह इसलिए है क्योंकि यह उस सतत बढ़ते पैटर्न का हिस्सा है जिसमें अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा लगातार बिगड़ती जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, सुबह जब पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो वह सीढ़ी लगाकर भीतर गए, जहाँ पति का शव डाइनिंग रूम में और पत्नी का शव रसोई में पड़ा था। दोनों के गले बेरहमी से काटे गए थे। न लूटपाट, न कोई विवाद, न कोई सुराग, केवल एक भयावह चुप्पी थी। पुलिस के पास न कोई संदिग्ध है, न कोई दिशा और न किसी तरह की प्रगति। यह एक अकेली घटना नहीं, बल्कि उस अव्यवस्था का प्रतिबिंब है जिसमें आज बांग्लादेश का प्रशासन पूरी तरह जकड़ा हुआ है। देखा जाये तो शेख हसीना को हटाने के बाद से बांग्लादेश में जो माहौल बना है, उसने अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर हिंदुओं, के जीवन को दहशत में बदल दिया है। मंदिर जलाने, हिंदुओं के घरों पर हमले, परिवारों का रातों-रात पलायन और अब स्वतंत्रता सेनानियों की हत्या जैसे मामलों ने दुनिया को झकझोर दिया है। इन सब घटनाओं के बावजूद अंतरिम शासक मुहम्मद यूनुस चुप्पी साधे हुए हैं। सवाल उठता है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के प्रति आखिर कब तक अपनी आँखें बंद रखेगी? देखा जाये तो यूनुस शासन वास्तव में उन इस्लामवादी ताकतों के सहारे टिका है जिन्होंने हमेशा से अल्पसंख्यकों के अस्तित्व को चुनौती दी है। जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरपंथी संगठन खुलकर सक्रिय हैं और उनके उभार का सीधा परिणाम हिंदुओं पर हमले, दहशत और अब टार्गेट किलिंग है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि बांग्लादेश का पुलिस ढांचा खुद अपंग हालत में है। 2024 के आंदोलन के दौरान जिस तरह पुलिस बल पर हमले हुए, उसके बाद आज तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। कई पुलिसकर्मी वापस ड्यूटी पर नहीं लौटे, कई मारे गए और कई लापता हैं। ऐसे में एक स्वतंत्रता सेनानी के दो बेटे जो खुद पुलिस में हैं, वह अपने माता-पिता की रक्षा तक सुनिश्चित नहीं कर सके तो फिर आम हिंदू परिवार किस पर भरोसा करे? हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने 2021 से अब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के 3,582 मामले आधिकारिक तौर पर उठाए हैं। मानवाधिकार संगठन चेतावनी पर चेतावनी जारी कर रहे हैं। लेकिन ढाका के सत्ता-गलियारों में यह सब प्रोपेगेंडा कहकर खारिज कर दिया जाता है। बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है। हर वर्ष हजारों परिवार पलायन कर रहे हैं और अब जब देश की स्वतंत्रता का प्रतीक व्यक्ति अपने ही घर में असहाय मारा जाता है, तो यह केवल अपराध नहीं, यह पूरे राष्ट्र के चरित्र पर प्रहार है। यह बताता है कि अब स्थिति केवल खराब नहीं, बल्कि नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की क्षमता रखता है? या क्या बांग्लादेश में ऐसा करने की इच्छा भी बची है? सवाल यह भी उठता है कि यदि एक मुक्ति-योद्धा भी सुरक्षित नहीं है तो फिर अन्य कोई कैसे सुरक्षित हो सकता है? जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी की हत्या एक चेतावनी है। एक ऐसी चेतावनी जिसे अनसुना करना बांग्लादेश को और भी गहरे अंधकार में धकेलेगा। दुनिया को भी अब इस स्थिति को आंतरिक मामला कहकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरपंथी संगठन खुलकर सक्रिय हैं और उनके उभार का सीधा परिणाम हिंदुओं पर हमले, दहशत और अब टार्गेट किलिंग है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि बांग्लादेश का पुलिस ढांचा खुद अपंग हालत में है। 2024 के आंदोलन के दौरान जिस तरह पुलिस बल पर हमले हुए, उसके बाद आज तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। कई पुलिसकर्मी वापस ड्यूटी पर नहीं लौटे, कई मारे गए और कई लापता हैं। ऐसे में एक स्वतंत्रता सेनानी के दो बेटे जो खुद पुलिस में हैं, वह अपने माता-पिता की रक्षा तक सुनिश्चित नहीं कर सके तो फिर आम हिंदू परिवार किस पर भरोसा करे? हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने 2021 से अब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के 3,582 मामले आधिकारिक तौर पर उठाए हैं। मानवाधिकार संगठन चेतावनी पर चेतावनी जारी कर रहे हैं। लेकिन ढाका के सत्ता-गलियारों में यह सब प्रोपेगेंडा कहकर खारिज कर दिया जाता है। बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है। हर वर्ष हजारों परिवार पलायन कर रहे हैं और अब जब देश की स्वतंत्रता का प्रतीक व्यक्ति अपने ही घर में असहाय मारा जाता है, तो यह केवल अपराध नहीं, यह पूरे राष्ट्र के चरित्र पर प्रहार है।

बीमारी से हुई मृत्यु के बाद भी पुलिस ने शव का पंचनामा भर भेजा चिलघर

आदित्य श्रीवास्तव
नवयुग समाचार
जिला ब्यूरो चीफ

कानपुर नगर के एक थाना क्षेत्र में बीमारी के चलते एक वृद्ध की मौत हो गई ,अफवाह के चलते पुलिस को सूचना मिली और पुलिस ने शव का पंचनामा भर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कानपुर नगर के चौबेपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए क्षेत्र के जरारी गांव में एक बुजुर्ग की हत्या होने की खबर चली और देखते ही देखते इस खबर ने चारों तरफ अफरा तफरी मचा दी और जब यह सूचना चौबेपुर थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे तक पहुंची तो वह भी मय पुलिस फोर्स के जरारी गांव पहुंच गए और लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि गांव में वृद्ध फूलचंद पुत्र चोखेलाल उम्र 65 वर्ष की मौत हुई है ।जिसके बाद थाना प्रभारी घटना स्थल मृतक के घर पहुंच गए और मृत्यु का कारण ढूंढने में जुट गए इसी दौरान उन्होंने मृतक के परिजनों ,आस पड़ोसियों व ग्रामीणों से पूछताछ की तब पता चला कि वृद्ध काफी समय से किसी बीमारी से ग्रसित था जिसका इलाज डॉक्टर के यहां चल रहा था। वहीं मृतक के भाई रामदीन ने बताया कि फूलचंद अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद से गुमसुम रहने लगे थे जिसके कारण वह मानसिक रूप से कमजोर हो गए थे और इसी कारण सोमवार को सुबह साढ़े पांच बजे फूलचंद का देहांत हो गया। जिससे यह तो साफ हो गया कि ये कोई हत्या नहीं बल्कि सिर्फ अफवाह फैलाई गई थी ये सब जानने के बाद अपने कर्तव्य से मजबूर थाना प्रभारी ने कानूनी प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए शव का पंचायतनामा भर उसे पोस्टमार्टम हेतु पोस्टमार्टम हाउस (चिलघर) भेज दिया।

गांव में फोर्स देख ग्राम प्रधान हुए चिंतित

गांव में अचानक पुलिस फोर्स की एंट्री से अफरा तफरी मच गई अधिकांश लोग सोचने लगे कि क्या हुआ होगा जो पुलिस आ गई क्योंकि ज्यादातर लोग को इस तरह की किसी घटना के बारे में कोई जानकारी ही नहीं थी तभी इसी बीच जब ग्राम प्रधान कौशल किशोर को इसकी खबर मिली तो वह भी आनन फानन में पुलिस बल के समीप पहुंच गए और मामले को जानने के बाद राहत की सांस ली फिर बोले कि हो सकता है कि गांव के ही किसी शरारती ने गलत सूचना दी हो वही मौके पर पहुंचे पूर्व प्रधान अजय पाल सिंह ने भी कहा कि गांव के ही व्यक्ति द्वारा ये झूठी सूचना मीडिया तक पहुंचाई गई है जिसके कारण ये अफवाह फैली और खलबली मच गई।

आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक को लेकर व्यापार मंडल ने दिया ईओ को ज्ञापन

नवयुग समाचार
संवाददाता सीबू सैनी / कन्नौज।

तिर्वा नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से लोग आजिज आ चुके हैं। समस्या के निदान को लेकर व्यापार मंडल ने नगर पंचायत के ई.ओ को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

बताते चलें कि, तिर्वा नगर में बीते काफी समय से आवारा बंदर और कुत्तों का आतंक बना हुआ है। किसी भी समय रात हो या दिन, आवारा कुत्ते जहां सड़कों से लेकर गलियों तक से गुजरने वाले लोगों को दौड़ा लेते हैं, यहां

तक कि अगर उनके हाथों में कोई सामान भी है उसको भी चीन लेते हैं। कई लोगों को तो यह आवारा जानवर काटने का प्रयास तक कर चुके हैं। सड़कों से गुजरने वाली कोई भी गाड़ी दोपहिया हो या चार पहिया, उसके निकलते ही ये आवारा कुत्ते दौड़ लगाकर पीछा करते हैं।

यही हाल बंदरों को का भी है, कई लोगों के घरों पर दिन हो या रात, बड़ी संख्या में ये बंदरों का काफिला अपना डेरा बनाकर वहां

मामला कन्नौज जिले के तिर्वा नगर का।

रात भर डटे रहते हैं। किसी भी समय हमला कर देते हैं। घरेलू समान को भी छति पहुंचाने वाले ये बंदर कई लोगों को काटने का प्रयास कर चुके हैं, जिससे भागने के दौरान लोग घायल भी हो रहे हैं ।नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों और बंदरों के बढ़ते हुए आतंक को लेकर मंगलवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल(युवा)के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने अपने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ नगर पंचायत अधिशाषी अधिकारी को जयपाल सौंपते हुए कार्यवाही की मांग की है। समस्या पर ध्यान नाम दिया जाने पर प्रदर्शन की चेतावनी भी दी है। इस दौरान नीरज चक्रवर्ती, मुकेश पोरवाल, अर्नव गुप्ता, नसीम मंसूरी, रामू कुशवाहा, सहित कई लोग रहे।

सरायमीरा अंधी मोड़ पर सरकारी बस खराब घंटों जाम में फंसे यात्री

नवयुग समाचार
संवाददाता सीबू सैनी

कन्नौज। सदर कोतवाली क्षेत्र के सराय मीरा स्थित अंधी मोड़ पर मंगलवार को एक सरकारी रोडवेज बस अचानक खराब हो गई, जिससे जीटी रोड पर लंबा जाम लग गया।

जाम के कारण यात्रियों सहित राहगीरों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने स्थिति बिगड़ती देख सरायमीरा चौकी पुलिस और यातायात प्रभारी रवि शंकर त्रिपाठी को सूचना दी। सूचना मिलते ही तैनात फोर्स मौके पर पहुंचा। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने यातायात को सुचारू कराया और जाम खुलवाया। यात्रियों और राहगीरों ने खराब बसों को सड़क पर उतारने पर नाराजगी जताई। उनका कहना

था कि ऐसी बसें चलाना यात्रियों की जान से खिलवाड़ है। लोगों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बावजूद अधिकारी मनमानी कर खराब बसों को सड़कों पर उतार रहे हैं, जिससे आए दिन यात्रियों को परेशान होना पड़ता है। पुलिस ने बस को किनारे लगवाकर मार्ग को पूरी तरह साफ कराया और यातायात व्यवस्था सामान्य हुई।

दबंगों ने सरकारी नाली पर किया कब्जा, पीड़ित ने उपजिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार

नवयुग समाचार
कन्नौज। जनपद के ठठिया थाना क्षेत्र के ग्राम चंदौली में दबंगई का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गांव निवासी विनोद कुमार पुत्र रामदुलारे ने कुछ दबंगों पर सरकारी नाली को जबरन बंद कर उस पर मकान की नींव डालने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाना स्तर पर सुनवाई न होने के बाद अब उपजिलाधिकारी तिर्वा से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित के अनुसार 6 दिसंबर की रात गांव के ही महेश, पिंटू व दिनेश पुत्रगण मथुरा प्रसाद ने उसके खेत के पास बनी सरक-ारी नाली पर अवैध कब्जा कर लिया और उस पर मकान की नींव भर दी। जब विनोद कुमार सुबह खेत देखने पहुंचा तो उसे इस अवैध निर्माण की जानकारी हुई। पीड़ित का आरोप है कि उक्त तीनों व्यक्ति झगड़ालू व दबंग प्रवृत्ति के हैं, जिनसे उसके परिवार को जान-माल का भी खतरा बना हुआ है। उसने ठठिया थाने में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर मजबूर होकर तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी तिर्वा ने ठठिया पुलिस व संबंधित लेखपाल को मौके पर जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो सरकारी संपत्ति पर कब्जों का सिलसिला और बढ़ सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब और क्या ठोस कदम उठाता है।

नवविवाहिता के शव को मेडिकल कॉलेज में छोड़कर ससुराल के लोग हुए फरार

चार घंटे तक परिजनों ने नहीं होने दी पुलिस कार्यवाही

नवयुग समाचार
संवाददाता सीबू सैनी
कन्नौज। मंगलवार की सुबह अपने ससुराल में रह रही एक नवविवाहिता का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिला।

कन्नौज जिले के थाना इंदरगढ़ के गांव अर्जुनपुर गांव का।
0 पांच माह पूर्व हुई थी युवती की शादी, मायके पक्ष ने ससुरालीजनों पर लगाया हत्या का आरोप।

मामले की जानकारी पर परिजन युवती को लेकर मेडिकल कॉलेज तिर्वा पहुंचे तो यहां डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मृतिका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे। उस दौरान मृतिका का कोई भी ससुरालीजन मौके पर मौजूद नहीं मिला। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजनों ने दोषियों पर कार्यवाही और मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग करते हुए चार घंटे से अधिक समय तक कार्यवाही नहीं होने दी।

जानकारी के मुताबिक कानपुर देहात जिले के थाना रसूलाबाद के गांव भोलेपुर निवासी ओम शरण ने अपने बेटी श्रद्धा उर्फ रोहनी की शादी बीते माह अप्रैल 2025 में कन्नौज जिले के थाना इंदरगढ़ के अर्जुनपुर गांव निवासी परशुराम के पुत्र ऋषि के साथ की थी।

मंगलवार की सुबह श्रद्धा का शव मायके स्थित घर के कमरे में संदेहास्पद परिस्थितियों में फंदे से लटकता हुआ मिलने की जानकारी पर मायके पक्ष के लोग श्रद्धा को फंदे से उतारकर

मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। यहां डाक्टरों ने श्रद्धा को मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी जब श्रद्धा के मायके पक्ष के लोगों को हुई तो परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां श्रद्धा के निकट ससुराल पक्ष का कोई भी शख्स मौके पर मौजूद नहीं मिला। आसपास देखने के बाद भी कोई भी नजर नहीं आया। इस कारण यह माना गया कि श्रद्धा के शव को छोड़कर उसके ससुराल पक्ष के लोग फरार हो गए हैं।

घटना की जानकारी पर इंदरगढ़ थाना प्रभारी नीलम सिंह, स्थानीय पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया और कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी शुरू की। पुलिस कार्यवाही शुरू होते ही

परिजनों ने पुलिसिया कार्यवाही का विरोध करना शुरू कर दिया और पोस्टमार्टम सहित अन्य कार्यवाही नहीं होने दी।

परिजनों की मांग थी कि पहले दोषियों पर घटना का मुकदमा दर्द किया जाए इसके बाद कार्यवाही होने दी जाएगी।

परिजनों की इस मांग के कारण करीब चार घंटे तक पुलिस कार्यवाही नहीं हो सकी। मामले की सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलवीर सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद परिजनों को समझा बुझाकर शांत किया गया। इस दौरान हंगामे का माहौल भी नजर आया ।कार्यवाही के आश्वाशन के चार घंटे बाद पुलिस ने शव को पी .एम के लिए शव को भेजे जाने के अलावा आवश्यक कार्यवाही शुरू की।

मामले को लेकर श्रद्धा के पिता ओम शरण का कहना था कि उनकी बेटी

को ससुरालीजनों द्वारा लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था।

बीते सोमवार को भी श्रद्धा और ऋषि के मध्य विवाद हुआ था।

मायके पक्ष से मृतिका के पिता और मां का आरोप था कि उनकी बेटी की हत्या की गई है और उसके ससुरालीजन फरार भी हो गए। इसलिए ससुरालीजनों पर मुकदमा दर्ज करके उनकी गिरफ्तारी भी की जाय।

गांव में पता चला है कि ऋषि के परिवार में उनके पिता आलू बेचने गए हुए थे, जबकि उनका भाई गुड़गांव में है। इसके अलावा गांव में ऋषि की मां, एक विवाहित बहन ही मौके पर मौजूद थे।

फिलहाल श्रद्धा की संदेहास्पद मौत के मामले में पुलिस हर पहलू पर जांच पड़ताल शुरू कर चुकी है। सी. ओ ने बताया कि, जांच पड़ताल जारी है,पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

युवती को भगा ले जाने वाले युवक और पुलिस पर कार्यवाही को लेकर हिन्दू संगठनों का प्रदर्शन

नवयुग समाचार
संवाददाता सीबू सैनी
कन्नौज। एक हिन्दू युवती को मुस्लिम युवक द्वारा भगा ले जाने पर पुलिसिया कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए जिले के पुलिस कप्तान विनोद कुमार को ज्ञापन भी सौंपा है।

मामला कन्नौज जिले के शरीफापुर गांव के मुस्लिम युवक पर कार्यवाही करने का। हिन्दू संगठनों ने जिला मुख्यालय पर कार्यवाही को लेकर एसपी को दिया ज्ञापन।

जानकारी के मुताबिक बीती 19 नवंबर को सदर कोतवाली के गांव शरीफापुर निवासी मोहम्मद जीशान नामक युवक एक हिन्दू युवती को भगा ले गया था। घटना के 15 दिनों बढ़ पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया था। हिंदू संगठन के लोगों का कहना था कि, मुस्लिम युवक के परिजन लगातार युवती और उसके परिजनों पर धर्मांतरण का दबाव बना कर निकाह करवाने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायती पत्र भी देकर दोषियों पर कार्यवाही को लेकर मांग की गई लेकिन पुलिस कार्यवाही से बच रही है।

पुलिस की शिथिल कार्यवाही पर हिंदूवादी संगठनों में विश्व हिंदू महासंघ के लोगों ने इसको लेक-र तीव्र आक्रोश व्याप्त है, उनका आरोप है कि पुलिस दोषियों को संरक्षण दे रही है और धर्मांतरण जैसे मुद्दे पर कार्यवाही से बच रही है।

संगठन के जिलाध्यक्ष कुलदीप दुबे ने संगठन के लोगों के साथ मामले को लेकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करने के बाद एसपी विनोद कुमार को कार्यवाही को लेकर ज्ञापन भी सौंपा है। संगठन के लोगों का आरोप था कि, युवती की बरामदगी युवक के साथ की गई थी, और इसको लेकर पुलिस दोषी मुस्लिम परिवार से खर्चा लेकर दिल्ली गई थी।

संगठन के लोगों ने मांग की, कि जिले के पुलिस कप्तान मामले में कार्यवाही का आदेश जारी करें। इस दौरान हिन्दू संगठन के कई लोग मौजूद रहे।

जलालाबाद CSC में डॉक्टरों की मनमानी

समय पर न आने से मरीज घंटों भटकने को मजबूर

नवयुग समाचार
संवाददाता सीबू सैनी
कन्नौज। जलालाबाद कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में डॉक्टरों की मनमानी और लापरवाही से मरीज परेशान हैं। अस्पताल में तैनात डॉक्टर निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते, जिससे मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। अस्पताल का ओपीडी समय सुबह 10 बजे तय है, लेकिन डॉक्टर अक्सर 11 बजे या उससे भी देर से पहुंचते हैं। मरीजों का कहना है कि वे समय से पहले पहुंच जाते हैं, लेकिन डॉक्टरों के देर से आने के कारण उन्हें या तो लंबे समय तक बैठकर इंतजार करना पड़ता है या फिर बिना इलाज के ही लौटना पड़ता है। स्थिति यह है कि अस्पताल का सफाईकर्मी भी 10 बजे के बाद ही सफाई शुरू करता है, जबकि डॉक्टर 11:30 बजे से 12 बजे के बीच में पहुंचते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता और सुविधाओं में सुधार के दावे किए जाने के बावजूद जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह मुफ्त और बेहतर बताने का दावा करते हों, लेकिन कन्नौज में ये दावे खोखले साबित हो रहे हैं। मरीजों की बढ़ती परेशानियाँ विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही हैं।

कन्नौज में मिशन शक्ति 5.0 का असर पुलिस ने चलाया बड़ा अभियान 5 बच्चे बाल श्रम से मुक्त

नवयुग समाचार
संवाददाता सीबू सैनी
कन्नौज। मिशन शक्ति 5.0 के तहत बाल विवाह एवं बाल श्रम के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन मुक्ति अभियान के क्रम में कन्नौज पुलिस ने मंगलवार को व्यापक जागरूकता व रेस्क्यू अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में एएचटीयू प्रभारी उ0नि0 प्रमोद कुमार तिवारी, प्रवर्तन अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव तथा चाइल्डलाइन प्रभारी तौसीफ की संयुक्त टीम ने कोतवाली कन्नौज क्षेत्र में कई स्थानों पर कार्रवाई की।

टीम ने होटल, ढाबे, मैकेनिक की दुकानें, बाईपास, बस स्टैंड और हरदोई मोड़ पर पहुंचकर दुकानदारों व संचालकों को बाल श्रम निषेध नियमों के बारे में जागरूक किया। अभियान के दौरान 5 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कर सुरक्षित संरक्षण में भेजा गया।

अधिकारीयों ने बताया कि बाल श्रम व बाल विवाह रोकथाम के लिए शासन द्वारा जारी टोल-फ्री नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076 और 181 की जानकारी आमजन को दी गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना दी जा सके।

पुलिस प्रशासन ने कहा कि जनपद में ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे ताकि बच्चों को सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य मिल सके।

उन्नाव में गरजे केशव मौर्य, कहा अखिलेश यादव को वंदेमातरम बोलने का अधिकार नहीं

मोहम्मद इरफान खान
नवयुग समाचार

उन्नाव।प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उन्नाव दौरे के दौरान सपा मुखिया अखिलेश यादव व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी पर जोरदार हमला बोला।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को सही मायनों में वंदेमातरम बोलने का अधिकार नहीं है। जो भारत माता का सम्मान नहीं करता, वह वंदेमातरम की भावना को क्या समझेगा आज अपने उन्नाव दौरे के दौरान डिप्टी सीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा की।

वहीं बीजेपी कार्यालय में उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक कर आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान और रक्क पर चर्चा की इसके बाद टिकरगढ़ी गांव पहुंचकर उन्होंने सड़क, स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं।बीजेपी दफ्तर में बैठक के बाद मीडिया से रूबरू हुए केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने

पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और जिन्ना का नाम एक साथ लेकर देश का अपमान किया था। अखिलेश की ही सरकार में आतंकवादियों पर चल र-हे मुकदमों को वापस लेने की कोशिश हुई, जबकि कोर्ट ने बाद में दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। सपा सरकार ने अतीत में रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, और आजम खान जैसे नेताओं को संरक्षण दिया, जो भारत माता के लिए अपमानजनक शब्द तक बोलते रहे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केशव मौर्य ने कहा कि कांग्रेस की दुर्दशा का कारण ही उसके नेताओं के भ्रम फैलाने वाले बयान हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है और जनता उसे लगातार नकार रही है।

डिप्टी सीएम ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा कि 2026 में बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। ममता सरकार से जनता त्रस्त है और बदलाव तय है। बाबर के नाम पर बने ढांचों को लेकर भी उन्होंने तीखा बयान दिया कहा कि मस्जिद बनाना किसी को मना नहीं, लेकिन बाबर के नाम पर कोई ढांचा खड़ा करेगा तो देश उसे स्वीकार नहीं करेगाङ्क वह ढह जाएगा। इससे पूर्व जिला भाजपा कार्यालय में उपमुख्यमंत्री का स्वागत जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच माल्यार्पण कर किया।

पुलिस अधीक्षक का कड़ा संदेश

कानून के उल्लंघन में लिप्त पुलिसकर्मियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

मोहम्मद इरफान खान
/नवयुग समाचार

उन्नाव। सोमवार को पुलिस अधीक्षक के तेवर उस वक्त बिगड़ गए जब उन्होंने जिले की बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया। मामला बांगरमऊ के एक ढाबा संचालक से मारपीट का है, जिसमें पुलिस के कई अधिकारी खुद कानून का उल्लंघन करते हुए पाए गए। पुलिस अधीक्षक ने न केवल दोषियों को कड़ी सजा दी, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि किसी को भी कानून से ऊपर नहीं समझा जाएगा।

5 पुलिसकर्मियों का निलंबन, विभागीय जांच का आदेश

बांगरमऊ में ढाबा संचालक से मारपीट के मामले में कड़ी का-र्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक उन्नाव ने प्रभारी निरीक्षक, चौकी प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। जिनके नाम इस कार्रवाई में शामिल हैं:

1. प्रभारी निरीक्षक बांगरमऊ- अनुराग सिंह
2. चौकी प्रभारी गंजमुरादाबाद - उप निरीक्षक सतीश चन्द्र

द्विवेदी 3.चौकी प्रभारी कस्बा बांगरमऊ- उप निरीक्षक अजय कुमार यादव
4.थाना बांगरमऊ के आरक्षी - दीपक सिरोही
5.थाना बांगरमऊ के आरक्षी - गोविन्द सिरोही

इन सभी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

कड़ी सजा का संदेश

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन या किसी प्रकार की बर्बरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कदम पुलिस विभाग के अंदर सुधार की ओर एक अहम पहल माना जा रहा है, ताकि आम जनता का विश्वास पुलिस

व्यवस्था में बहाल हो सके।

अब देखना यह होगा कि इस कार्रवाई के बाद जिले में कानून व्यवस्था को लेकर क्या सुधार आता है और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच में क्या निष्कर्ष निकलते हैं।

बांगरमऊ तहसील अंतर्गत हो रहा अवैध खनन

रॉयल्टी के नाम पर अवैध किया जा रहा है खनन

मोहम्मद इरफान खान

नवयुग समाचार

उन्नाव । बांगरमऊ बाईपास धर्म कांटा के सामने मुर्गी फार्म के पास देर रात अवैध रूप से हो रहा है खनन क्षेत्रीय प्रशासन बना मूकदर्शक सूत्रों की मानें तो भट्टे की रॉयल्टी दिखाकर अवैध रूप से रात ग्यारह बजे सुबह तक रोज हो रहा है अवैध खनन आखिर बांगरमऊ तहसील क्षेत्र बांगरमऊ तहसील क्षेत्र हो रहा है अवैध खनन पर जिम्मेदार अधिकारी क्यों आंख मूंद कर बैठे हैं सूत्रों की माने एक बड़ा खनन माफिया इस खनन का मुख्य सूत्र धार है एक जनप्रतिनिधि का खास होने के कारण पुलिस और तहसील प्रशासन भी उसे पर कार्रवाई करने से डरता है तहसील के गेट के सामने से दिन में निकलते है मिट्टी भरी ट्रेक्टर ट्रालियां आखिर कौन सा चश्मा लगा कर बैठ गया प्रशासन

मान्यता प्राप्त पत्रकार राजेश सोनी की माता का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

नवयुग समाचार

गोण्डा। जिले के कर्नलगंज कस्बे के मोहल्ला गुड़ाही बाजार निवासी व मान्यता प्राप्त पत्रकार राजेश सोनी की माता का सोमवार को निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दुखद समाचार के बाद उनके गुड़ाही बाजार स्थित आवास पर सगे-संबंधियों, इष्ट-मित्रों व कस्बावासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने दिवंगत आत्मा के प्रति

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। मंगलवार की दोपहर दिवंगत का अंतिम संस्कार कटरा घाट स्थित सरयू तट पर किया गया,जहां बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। शोक संवेदनाओं का तांता दिनभर लगा रहा। परिवार के इस अपूरणीय क्षति पर पत्रकार जगत सहित सामाजिक संगठनों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है।

कर्नलगंज में एसडीएम नेहा ने अवैध खनन पर की कार्रवाई,पकड़ी मिट्टी लदी ट्रॉली

ट्रैक्टर ट्राली चालक फरार, डीएम को भेजी जाएगी रिपोर्ट

नवयुग समाचार

कर्नलगंज, गोंडा। अवैध मिट्टी खनन पर रोक लगाने के लिए कर्नलगंज की उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने सोमवार देर रात कार्रवाई की है। करीब ढाई बजे रात में पिपरी गाँव के पास गश्त के दौरान उपजिलाधिकारी ने कई ट्रॉली मिट्टी से लदी देखीं। इसी बीच एक ट्रैक्टर-ट्रॉली एसडीएम की गाड़ी देखते ही भागने लगी। उपजिलाधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए करीब 600 मीटर तक पीछा कर ट्रॉली को कब्जे में ले लिया, जबकि ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद उपजिलाधिकारी ने तुरंत पुलिस को बुलाकर ट्रॉली को कोतवाली भेजा और कागजातों की जांच

शुरू कराई। मंगलवार सुबह उपजिलाधिकारी ने खनन अधिकारी को मौके पर बुलाकर ट्रॉली का डॉक्यूमेंटेशन कराये जाने और नियमों के तहत उचित जुमार्ना लगाकर आगे की का-र्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से अवैध मिट्टी खनन का धंधा चल रहा है। रात-दिन मिट्टी की चोरी कर ट्रॉलियां गाँवों से निकलती हैं, जिसकी जानकारी कई बार प्रशासन को दी गई थी। उपजिलाधिकारी ने बताया कि पूरे प्रकरण में विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जा रही है,ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई को अंतिम रूप दिया जा सके।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत,परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

गिरफ्तारी की मांग पर हंगामा, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी।

नवयुग समाचार

गोंडा। परसपुर थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम हुए सड़क हादसे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। बारामासी पेट्रोल पंप के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से युवक अमन मिश्रा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर का पहिया अमन को करीब 20 मीटर तक घसीटता चला गया। वहीं घटना के बाद चालक ट्रैक्टर और शव को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही कुछ ही देर में गांव के लोग मौके पर पहुंच गए और कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने इसे सड़क हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया और कहा कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी, वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। घटना की जानकारी पर देर रात पुलिस भी मौके पर पहुंची

और भारी भीड़ को किसी तरह शांत कराया। काफी समझाने-बुझाने के बाद लोगों को घर भेजा गया, वहीं पुलिस ने आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला ट्रैक्टर की चपेट में आने से हुई दुर्घटना प्रतीत हो रहा है। वहीं परिजनों का आरोप है कि अमन मिश्रा को जानबूझकर पहिये में फंसाकर घसीटा गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है, जबकि फरार चालक की तलाश जारी है। घटना से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त है।

विजेता बच्चों को सदर विधायक ने पुरस्कार देकर किया सम्मानित

सेंट जेवियर्स स्कूल में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता खत्म

बांदा। सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्र.छात्राओं ने अपने मेधा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता समापन पर सदर विधायक ने विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

चिल्ला रोड स्थित सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन हो गया। इसके पूर्व विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में भागीदारी करते हुए छात्र.छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन पर सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने खेलकूद में विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। पढ़ाई के साथ बच्चों के लिए खेलकूद भी जरूरी है। इससे बच्चों का मानसिक शारीरिक विकास बढ़ता है। साथ ही बौद्धिक क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है।

आजादी के 77 साल बाद भी भूरा डेरा में नहीं पहुंची बिजली

बांदा। बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आजादी के 77 साल बाद भी पिपरोदर गांव के मजरा भूरा डेरा में बिजली नहीं पहुंची है। ग्रामीणों ने सपा नेता की अगुवाई में अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपकर बिजली पहुंचने की मांग की। कहा कि बिजली न होने से लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं। शाम होते ही गांव में अंधेरा छा जाता है। लोगों को दीये और मोमबत्तियों के सहारे जीवन यापन कर रहे हैं। बच्चों को इन्हीं की मद्धम रोशनी में पढ़ाई करनी पड़ती है। सपा नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले की अगुवाई में मंगलवार को जसपुरा ब्लाक क्षेत्र के पिपरोदर गांव के मजरा भूरा डेरा के ग्रामीणों ने बिजली विभाग अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही से उनके घरों तक बिजली का करंट नहीं पहुंच रहा है। एक ओर केंद्र व प्रदेश सरकारों के गांवए मजरों में बिजली पहुंचाने के सख्त आदेश हैं।

ईमानदारी और निर्भयता से जीना क्या इतना कष्टप्रद हो रहा?

(अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस विशेष - 9 दिसंबर 2025)

लेखक -डॉ. प्रितम भि. गेडाम

जब कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करता है तब वह केवल अपना स्वार्थ साबित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य का हक अनुचित तरीके से छिनता है, देश के विकास और सुव्यवस्था में अड़चने पैदा करता है, समाज में अपराध के बीज बोता है, साथ ही अन्याय करके पीड़ितों के सपनों को कुचलता है, जिसका असर संपूर्ण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, भ्रष्टाचार के कारण कई बार पूरे समाज को दशकों तक दु:ख-दर्द झेलना पड़ता हैं। भ्रष्टाचार के कारण असंख्य मासूम जिंदगियां बर्बाद हो जाती है, संघर्षमय जीवन का चक्र अतितीव्र होते जाता हैं। सभी नागरिकों को विकसित होने का मौका मिलता है, समाज के हर वर्ग को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार प्रयत्नशील रहती हैं। कानून और सरकारी यंत्रणा इसके मजबूत स्तंभ है, जो हर पायदान पर नागरिकों के अधिकारों, सरक-ारी कार्यों एवं उपक्रमों का योग्य क्रियान्वयन कर विकास की नित नई कहानी लिखते हैं। अगर इस सुशासन में एक भी कड़ी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ कर खुद के स्वार्थ के लिए कार्य करने लगे तो, संबंधित अनेक विभागों के लिए वह नासूर का काम करता है और धीरे-धीरे पूरे विभाग को खोखला कर देता हैं। ऐसा भ्रष्ट सरकारी कर्मचारी या पदाधिकारी समाज, सरकार, देश और समस्त मानवजाती का दुश्मन होता हैं। बहुत बार खबरों में देश के कई मामूली सरकारी कर्मचारी, नेता धनकुबेर जैसे अरबों का धन छुपाये बैठे है, ऐसा पता चलता हैं।

हमारा समाज और हम आधुनिकता का दम भरने वाले निकृष्ट सोच वाली विचारधारा के लोग किस विश्वसनीयता के स्तर पर आ गए है? मौलिकता, नैतिकता, सहजता, जागरूकता, नीतिमत्ता, निस्वार्थता, परोपकारिता, संस्कारशीलता, ईमानदारी को छोड़कर बुराई, कपट और स्वार्थ प्रवृत्ति को तेजी से अपना रहे हैं। लोगों की सोच ऐसी बन गई है कि, अनुचित कार्य या अपराध होने पर भी लोग अपराधी का पक्ष लेने के लिए उतारू हो जाते हैं। कुछ दिन पूर्व मैं एक शख्स से मिला, उस शख्स ने पैसे को लेकर अपने विचार मुझसे साझा किये, उन्होंने कहा कि, पैसा ही भगवान है, पैसा ही सब कुछ है, चाहे वह किसी भी मार्ग से आये, पैसे से इज्जत, शोहरत, नाम होता है, हर चीज खरीद सकते है, हर कोई अपने स्वार्थ के लिए जी रहा है, तो हम क्यों ईमानदारी दिखाए? कोई नहीं पूछता कि पैसा किस मार्ग से कमाया, पैसे के लिए अपराध करों, जेल जाओ, सजा भुगतो, लेकिन पैसा आने के बाद लोग आपके अपराध भी भूल जाते है, उन्हें सिर्फ पैसा दिखाई देता हैं। लोगों की इतनी खराब सोच तो सीधे-सीधे देश में कानून व्यवस्था को झुठलाकर अपराधीकरण को बढ़ावा देनेवाली है, ऐसे में तो हर ओर जंगलराज स्थापित होगा। आज देश में इस प्रकार के विचारधारा के लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही हैं। देश में हम कई बार

देखते है कि चुनाव में संगीन गुनाहों के अपराधी उम्मीदवार को भी जनता चुनकर लाती है और दूसरी ओर उच्च शिक्षित निरपराध ईमानदार समाजसेवी उम्मीदवार की जमानत भी जप्त हो जाती हैं।

हमारे आसपास समस्याओं का अंबार लगा है, अक्सर भ्रष्टाचार और अनियमितता का बोलबाला हर ओर हम देखते है, अधिकतर लोग बुराई के खिलाफ आवाज उठाना पसंद नहीं करते। सरक-ारी अधिकारियों और ठेकेदारों की गैर जिम्मेदाराना हरकतों के कारण बहुत बार हादसे भी होते है, जिसमे जान-माल का भारी नुकसान होता हैं। हर साल देखते है कि, पहली बरसात में ही सड़कें सरकारी दावों की पोल खोल देती हैं। अरबों रुपये खर्च करके चलने वाली योजनाएं कुछ समय में ही दम तोड़ देती है, तय समयावधि में काम पुरे नहीं होते और उस कार्य का बजट बढ़ते जाता हैं। देश में आर्थिक विषमता की दूरी लगातार बढ़ ही रही हैं। अपने फायदे के लिए पार्टियां बदलने वाले राजनीतिक नेता दूसरों पर दोष मढ़ते हैं। सरकार के एक भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में देरी अनेक बार मासूमो की जान ले लेती है, भले ही मरने के बाद मृतक के परिवार को थोडासी आर्थिक सहायता दी जाती हो, परंतु मृतक की जान तो लौटकर नहीं आती हैं। हमारे देश में जितने गरीब किसान आत्महत्या करते है उतने किसी भी दूसरे देश में आत्महत्या नहीं करते, इसके मुकाबले कोई भी अन्य पेशेवर व्यवसायी भी इतनी बड़ी संख्या में आत्महत्याएं नहीं करते। चाहे कितने ही घोटाले या आपराधिक गतिविधियों में नाम आ जाए फिर भी देश को चलाने वाले नेता लोग इतना तनाव भी नहीं लेते कि आत्महत्या करनी पड़े।

ईमानदार व्यक्ति के हाथों अनजाने में छोटी सी भूल भी हो जाये तो बहुत पछतावा महसूस करते है, परंतु अनुचित तरीके से लाभ प्राप्त करने वाले भ्रष्ट लोग सुकून से जी कैसे लेते है? लोगों से नजरे मिलाकर स्वाभिमान से बात कैसे कर लेते है? परिवार, रिश्ते, अपनों के सामने आदर्श कैसे स्थापित करते है? क्या लोगों का जमीर मर चुका है? वस्तुएं, सेवाएं, रिश्ते-नाते में भी अब मिलावट नजर आता है, कब कौन धोखा दे जाये, कह नहीं सकते। आत्मसन्मान, इंसानियत, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता, सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिकता का कोई मोल नहीं बचा? लोगों को दुख देकर बदले में हम अपना सुख खरीद नहीं सकते। सुकून भरी नींद, स्वाभाविक खुशी, निस्वार्थ प्रेम, मानसिक शांति और समाधानी मन से बढ़कर जीवन में कुछ अन्य की जरुरत नही है, यही असली आनंद है, जो हमें अपने आचरण द्वारा प्राप्त होता हैं। रोजाना अखबार और समाचार चैनलों पर बड़ी मात्रा में भ्रष्टाचार की खबरे रहती हैं। हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी भ्रष्टाचार का दंश झेलते हुए आगे बढे है, भ्रष्टता सम्पूर्ण व्यवस्था को खत्म करने की ताकत रखती है, अगर इसे सत्ता की ताकत मिल जायें तो उस देश को बबार्दी से कोई नहीं बचा सकता।

लोग जागरूक बनें, अपने अधिकार और कर्तव्य को समझें। इंसान के रूप में जन्म लिया है तो इंसानियत का फर्ज निभाएं। दूसरे का हक छीन कर नहीं बल्कि ईमानदार और परोपकारी की भूमिका निभानी चाहिए। जो व्यक्ति जितने ऊंचे जिम्मेदार पद पर कार्यरत होता है, वह जनता के लिए उतना ही ज्यादा जवाबदेही होता है, जनता उससे नहीं बल्कि उसने जनता से डरना चाहिए, अगर अनुचित कार्य करें तो। जनता अपने कर द्वारा सरकार को आर्थिक ताकत प्रदान करती है, जनता को अधिकार है कि वह जिम्मेदार अधिकारी या नेताओ को उत्तर मांगे। अपराधी और अनुचित कार्य करने वाले लोग डरकर रहना चाहिए ना कि सभ्य और ईमानदार लोग डर-डर कर जियें। भ्रष्टाचार करनेवाला व्यक्ति तो अपने स्वार्थ के लिए लाभ मांगता है लेकिन लाभ देने वाला व्यक्ति भी अपने स्वार्थ के लिए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता हैं। अगर लाभ देना ही बंद कर दे तो लाभ मांगेगा किससे भ्रष्टाचारी? भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी हर नागरिक ने खुद से ही करनी होगी। अपने देश के लिए भले ही थोड़ी तकलीफ सहनी पड़े, लेकिन देश का आनेवाला भविष्य बेहतर होगा, भावी पीढ़ी को उनका हक मिलेगा। राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर सरकार द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी शाखाएं जनता के मदद के लिए तत्पर है, उनकी मदद लें। हम उनसे ऑनलाइन हेल्पलाइन नंबर, ईमेल आईडी और वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

नवयुग समाचार -हिन्दी दैनिक -स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित ऑफसेट के- 450 इंद्रलोक कॉलोनी, पोस्ट मानस नगर, लखनऊ, 226023, उत्तरप्रदेश से मुद्रित कराकर मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच से प्रकाशित।
आर एन आई/ टाइटल कोड - UPHIN 49594 **संपादक** मनीष कुमार सिंह मो.नं. +91 9984176988, ई-मेल - navyug samachar @gmail.com **प्रबंध संपादक** संजय कुमार त्रिपाठी मो.नं. 9044973372 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।